'महिलाओं को आर्म्ड फोर्सेज में जाना चाहिए'

जागरण संवाददाता, रांची: पीआइबी रांची द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस को लेकर आइआइएम में राउंड टेबल परिचर्चा का आयोजन किया गया। यह परिचर्चा केंद्र सरकार द्वारा पूरे देश में आंयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों के तहत किया गया। जिसमें महिला सशक्तीकरण, कौशल विकास एवं उद्यमिता तथा खेलों में भागीदारी विषयों पर केंद्रित विशेषज्ञों पर राउंड टेबल परिचर्चा किया गया। मौके पर सेंट जेवियर्स कॉलेज की प्रोफेसर लेफ्टिनेंट प्रिया श्रीवास्तव ने कहा कि महिलाओं को भी आर्म्ड फोर्सेज में आना चाहिए। उन्होंने कहा कि सेना की सेवा से हमें संघर्ष करने की शक्ति मिलती है। कोई भी व्यक्ति सेना में अपनी सेवा दे सकता है। जैसे एनसीसी के जरिये हम देश सेवा कर सकते है। इससे समाज में हमारी एक अलग पहचान बनती है।

महिलाओं को लेकर नजरिया बदले समाज : प्रोफेसर रेखा सिंघल ने महिला सशक्तीकरण पर कहा कि महिलाएं सशक्त ही पैदा होती हैं। समाज उनके प्रति यदि अपनी सोच और नजरिया बदले तो हमें और ज्यादा कुछ करने की जरूरत नही पड़ेगी। वो अपना मनचाहा मुकाम

कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक व विद्यार्थी • जागरण

पीआइबी की आइआइएम में महिला सशक्तीकरण पर राउंड टेबल परिचर्चा का किया गया आयोजन

खुद हासिल कर लेंगी। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तीकरण महिला को नहीं बल्कि समाज को करना है। उन्होंने कहा कि लड़कियों की बढ़ती उम्र के साथ ही उनके परिवार एवं समाज द्वारा अनेकों बंदिशें लगानी शुरू हो जाती है। जिससे उनका बहुमुखी विकास अवरूद्ध हो जाता है।

स्वैच्छिक कार्यों में महिलाएं ज्यादा आगे : मेकॉन की जीएम एमएम दास गुप्ता ने कहा कि हमने देखा है कि किसी भी संस्था में स्वैच्छिक कार्यों के लिए महिलायें ज्यादा आगे और तत्पर रहती हैं। वर्तमान में संस्थाएं महिला को भी समान अवसर प्रदान कर रहीं है। यह आप पर निर्भर है कि आप इसे अपने कार्यों और मेहनत से अपने लिए इस्तेमाल करें। राउंड टेबल परिचर्चा की समाप्ति करते हुऐ पीआईबी के अपर महानिदेशक अरिमर्दन सिंह ने महिलाओं के विभिन्न क्षेत्रों में सर्वांगीण विकास एवं उत्थान के लिए किए जा रहे सरकार के प्रयासों एवं इससे हर स्तर पर आये बदलावों के बारे में बताया।

Dainik Jagaran, 06.03.2020, Pg. 02 (supli.)